

72

7

न्यायालय श्रीमान सदस्य महोदय राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर म.प्र.

अपील 681-III-15



Rs. 20/-

33  
2-2-15

- 1- राजेश्वरी भट्ट तनय स्व.राजेश भट्ट
  - 2- दीपक भट्ट तनय प्रेमदत्त भट्ट
- उपरोक्त निवासी ग्राम सेमरिया तहसील सेमरिया जिला रीवा म.प्र.

.....आवेदक गण

बनाम

- 1- मंजू भट्ट पति हरिदत्त भट्ट
- 2- राहुल भट्ट तनय हरिदत्त भट्ट
- 3- राधा सोनी पत्नी मुनीन्द्र सोनी
- 4- सुजीत सोनी तनय मुनीन्द्र सोनी
- 5- ऋषी भट्ट तनय हरिदत्त भट्ट

उपरोक्त निवासी ग्राम सेमरिया तहसील सेमरिया जिला रीवा म.प्र.

.....अनावेदक गण

के. हिंदी  
दिनांक 01.02.15  
गण

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 29 (1) म.प्र. भू.रा.सं. 1959 बावत माननीय अपर आयुक्त महोदय रीवा के प्रकरण क्रमांक 1263/2012-13 नियत पेशी दिनांक 04/2/15 को ट्रांसफर किए जाने हेतु जो अपील विरुद्ध आदेश अनुविभागीय अधिकारी महोदय तहसील सिरमौर जिला रीवा म.प्र. के पंजीकृत प्रकरण क्र. 27 अ 6/11-12 पारित आदेश दिनांक 31/5/13 द्वारा आदेश विरुद्ध अंतर्गत धारा 44 (2) म.प्र.भू.रा.सं. के अधीन पेश की गई है।

क्रमांक 4789

रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा प्राप्त  
दिनांक 09/02/15 को प्राप्त

मान्यवर  
क्लक ऑफ कोर्ट  
राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

आवेदन पत्र के आधार निम्न प्रकार है।

1- यह कि विचाराधीन प्रकरण माननीय अपर आयुक्त महोदय रीवा संभाग रीवा के यहां विचाराधीन है जिसकी तारीख पेशी 04/2/15 नियत है। आवेदक क्रमांक 1 गरीब, असहाय व विधवा है जबकि अनावेदक गण नगर व जिले के सोने-चाँदी के प्रमुख विक्रेता व राजनीति में काफी प्रभावशाली व्यक्ति है।

2- यह कि माननीय अपर आयुक्त रीवा संभाग रीवा के यहां प्रस्तुत अपील दिनांक 31/08/13 से निरंतर 15 दिवस एवं एक-एक माह के अंदर अंतराल के बीच न्यायालय

*(Handwritten signature)*




*(Handwritten signature)*

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश ग्वालियर  
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ-अ

मामला क्र०-~~R~~.681-III/15

जिला-रीवा

राजेश्वरी भट्ट/मन्जू भट्ट

(1)	(2)	(3)
22.03.17	<ol style="list-style-type: none"><li>1. प्रकरण प्रस्तुत।</li><li>2. आवेदक तथा उनके अधिवक्ता की पुकार करायी गयी किन्तु सूचना उपरांत उपस्थित नहीं है।</li><li>3. चूकि आवेदक तथा अभिभाषक सूचना उपरांत उपस्थित नहीं है। अतः संहिता की धारा-35(2) के तहत प्रकरण अदम पैरवी में खारिज किया जाता है।</li><li>4. आदेश की प्रति अधीनस्थ न्यायालय को भेजा जावे, तत्पश्चात प्रकरण पंजी से समाप्त होकर दा.द. हो।</li></ol> <p style="text-align: right;"> सदस्य</p>	

M